शुक्रवार को भी किया हरभजन ने ट्वीट

शुक्रवार को हरभजन सिंह ने फिर एक बार ट्वीट किया। इस बार उन्होंने हिंदी में लिखा– शरीर एवं राष्ट्र.... दोनों को स्वस्थ रखने का एक ही उपाय है, चीनी बन्द। शरीर के लिए देसी गुड़ और राष्ट्र के लिए देसी गुड्स।

हरभजन सिंह के बायकॉट से चीन के मुखपत्र को लगी मिर्ची

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। लद्दाख की गलवान वैली में चीनी सैनिकों से झड़प में 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने के बाद देश भर में चीन विरोधी माहौल है। चीनी सामान के बहिष्कार का आह्वान किया जा रहा है। भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भी सभी चीनी सामानों पर बैन लगाने की बात कही। हरभजन की यह बात चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के मुखपत्र कहे जाने वाले ग्लोबल टाइम्स को पसंद नहीं आई। उसे यह बात काफी बुरी लगी कि आखिर क्यों कोई भारतीय सेलिब्रिटी चीन के सामान के बहिष्कार की बात कर रहा है। हरभजन के इस बयान पर अखबार के संपादक हु शी जिन ने ट्वीट किया, चीन उस दौर से काफी आगे निकल आया है, जिसमें सेलिब्रिटीज विदेशी सामान के बहिष्कार की बात करते हैं। यह प्रभावी व्यक्ति भारत के सबसे मशहूर स्पोर्टस स्टार में गिना जाता है। और यहां यह महान भारतीय संस्कृति की नकारात्मक और पिछड़ी छवि पेश कर रहा है।

भारत ने शुरू कर दिया है चीन का बहिष्कार: दिल्ली मेरठ रैपिड रेल नेटवर्क के लिए चीनी कंपनी को दिया गया ठेका रद्द कर दिया है। इसके साथ ही भारत संचार निगम लिमिटेड ने भी अपने 4जी अपग्रेडेशन के लिए चीनी उत्पादों का इस्तेमाल न करने का फैसला किया है।

न्यूज डायरी

भारतीय ऑडियंस ने नाराज रेनी ग्रेसी बोलीं, मेरे पेज से दूर हो जाओ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कार रेसर से अडल्ट स्टार बनीं रेनी ग्रेसी भारतीय ऑडिएंस से काफी नाराज नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने ताजा पोस्ट में भारतीयों को उनके इंस्टाग्राम अकाउंट से दूर होने को कहा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि भारतीय उनके कॉन्टेंट और तस्वीर को उनकी परमिशन के इस्तेमाल कर रहे हैं। ग्रेसी उस समय चर्चा में आई थीं जब उन्होंने सुपरकार रेसिंग के अपने करियर को छोड़कर अडल्ट इंडस्ट्री जॉइन की थी। उन्होंने बताया था इससे वह हर महीने करीब 25 हजार डॉलर तक कमा रही हैं। उन्होंने यूजर्स से कहा कि वे फेक पेज बनाना और उनके कॉन्टेंट को गैर कानूनी तरीके से इस्तेमाल करना बंद करें। उन्होंने लिखा, श्वे सब (तस्वीरें और कॉन्टेंट) कॉपीराइट के अंतर्गत आती हैं। उन पर मेरा अधिकार है, तुम्हारा नहीं मेरे पेज बनाना बंद करो। उन्होंने कहा, मुझे अब भारतीय पसंद नहीं हैं। अगर आप भारतीय हैं तो मेरे पेज से चले जाइए! आपका यहां स्वागत नहीं है।

मैं नहीं मानता कि सचिन अच्छे कप्तान नहीं थेः मदन लाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदन लाल ने सचिन तेंडुलकर की कप्तानी के कार्यकाल के बारे में अपना राय रखी है। उन्होंने कहा है कि ऐसा नहीं है कि सचिन अच्छे कप्तान नहीं थे। सचिन ने 1996 से 2000 के बीच 73 वनडे और 25 टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी की। भारत ने इसमें से 23 वनडे जीते और 43 में उसे हार का सामना करना पड़ा। वहीं टेस्ट मैचों में चार में जीत और 9 में उसे हार मिली। मदन लाल ने स्पोर्टसकीड़ा के साथ फेसबुक लाइव में कहा, मैं आपसे सहमत नहीं हूं कि सचिन अच्छे कप्तान नहीं थे। लेकिन वह अपने प्रदर्शन को लेकर इतने अधिक सजग थे कि उनके लिए टीम का ख्याल रख पाना मुश्किल हो गया था। मदन लाल ने कहा, कप्तान के रूप में आपको सिर्फ अपने ही नहीं बल्कि टीम के प्रदर्शन का भी ख्याल रखना पड़ता है। आपको बाकी 10 खिलाड़ियों से भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने की जरूरत होती है।

कभी नहीं खेला गया ऐसा मैच, डिविलियर्स भी आएंगे नजर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। 27 जून को साउथ अफ्रीका में एक अनोखा क्रिकेट मैच खेला जाएगा। यह मैच सोलिडेरिटी कपश के नाम से खेला जाएगा। इस मैच के जरिए कोविड–19 महामारी के खिलाफ जंग के लिए फंड इकट्ठा किया जाएगा। सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट्स पार्क में यह मैच होगा। इस मैच को एक ही प्रारूप में खेला जाएगा। इससे पहले यह प्रारूप कभी नहीं देखा गया। 3टीसी का अर्थ है थ्री टीम क्रिकेट। यानी यहां एक ही मैच में दो नहीं बल्कि तीन टीमें भिड़ेंगी। कुल मिलाकर यह 36 ओवर का मुकाबला होगा। एक ही मैच मे तीन टीमें आपस में भिड़ेंगी और इसी में विजेता घोषित होगा। हर टीम में 8 खिलाड़ी होंगे। इस मैच में कुल 36 ओवर होंगे और हर पारी में 18 ओवर। 18 ओवर के बाद एक ब्रेक होगा। हर टीम को 12 ओवर बल्लेबाजी करने का मौका मिलेगा। इसमें वह 6 ओवर के प्रारूप में दो बार बल्लेबाजी करेगी और हर बार नई टीम के दो गेंदबाजों का सामना करेगी।

रोहित शर्मा की टाइमिंग कमाल पर कोहली जैसा कोई नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने सीमित ओवरों के खेल को डॉमिनेट करते हैं। इन दोनों बल्लेबाजों ने दुनियाभर के मैदानों और गेंदबाजों के खिलाफ जमकर रन बनाए हैं। भारत को कई मैचों में इन दोनों ने जीत दिलाई है। वाइट बॉल क्रिकेट में कप्तान और उपकप्तान के बीच कई बार तुलना होती रहती है। कोई रोहित की टाइमिंग का दीवाना है तो किसी के लिए विराट कोहली एक कम्प्लीट पैकेज है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने भी इस तुलना पर अपनी राय रखी है। सरफराज ने इन दोनों में विराट कोहली को चुना। हालांकि सरफराज ने कोहली की टेस्ट क्रिकेट में कामयाबी को देखते हुए उन्हें तरजीह दी।

वह सचिन ही थे जो हमसे मैच छीनकर ले गएः वकार

पाकिस्तान ने भारत को कम आंकने की गलती कीः वकार यूनिस

वर्ल्ड कप 2003

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत पाकिस्तान के बीच जब–जब वर्ल्ड कप मैचों का जिक्र छिड़ता है तो बात सचिन तेंडुलकर (बीपद ज्मदकनसां) की उस पारी पर भी होती है, जब 2003 में उन्होंने 75 गेंद पर 98 रन बनाए थे। पाकिस्तान की टीम में उस वक्त वसीम अकरम, शोएब अख्तर, वकार यूनिस जैसे दिग्गज गेंदबाज मौजूद थे और तेंडुलकर पारी की शुरुआत से ही इस वर्ल्ड क्लास पेस अटैक की बखियां उधेड़नी शुरू कर दी थी। एक कार्यक्रम में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वकार यूनिस ने कहा कि वह सचिन ही थे, जो हमसे वह मैच छीनकर ले गए।

वकार ने मास्टर ब्लास्टर की इस पारी को याद करते हुए सर्वश्रेष्ठ करार दिया। साउथ अफ्रीका में खेले गए इस मैच में भारत 274 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर का पीछा करने उतरा था। तेंडुलकर ने इस मैच में विस्फोटक रूप अख्तियार कर लिया और पारी की शुरुआत से ही ताबड़तोड रन बनाए। हालांकि इस मैच में वह अपने शतक से दो रन से चूक गए। भारत ने इस मैच को 6 विकेट से जीत हासिल की थी। तेंडुलकर के प्रशंसक सुधीर कुमार चौधरी के सवाल पर वकार ने सचिन की तारीफ करते हुए कहा, 2003 में पाकिस्तान के खिलाफ सचिन तेंडुलकर की पारी को शब्दों में बयां करना मुश्किल है क्योंकि उन्होंने कमाल की बल्लेबाजी की थी। हमारी टीम में अनुभवी गेंदबाज थी और भारत दबाव में था।

उन्होंने कहा, शायद आप सचिन से इस बारे में पूछेंगे तो वे भी यही बात कह सकते हैं, कि यह शायद उनकी सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक थी। जिस तरह से उन्होंने शोएब अख्तर, वसीम अकरम और मेरे ऊपर दबाव बनाया और जिस तरह से आक्रमण किया और तेजी से रन बटोरे, मुझे लगता है कि यह अद्भुत पारी थी। हाल के दिनों में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भी सचिन की इस पारी को लाजवाब करार दिया था।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और कोच वकार यूनिस ने कहा कि पिछले साल इंग्लैंड में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में उनकी राष्ट्रीय टीम ने भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को कम आंकने की गलती की थी, जिसका खामियाजा उन्हें बड़े अंतर से मैच गंवा कर भुगतना पड़ा। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर 16 जून 2019 को खेले गए इस मैच में भारत ने डकवर्थ लुइस प्रणाली से पाकिस्तान को 89 रन से करारी शिकस्त दी थी। पाकिस्तान को लगा था कि वह पहले गेंदबाजी कर भारतीय शीर्षक्रम को सस्ते में निपटा देगा।

आशीष नेहरा क्वारंटीन सेंटर में होते तो भाग जातेः युवराज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। घातक वायरस कोविड– 19 के प्रकोप से इन दिनों पूरी दुनिया परेशान है। दुनिया की रफ्तार करीब–करीब तीन महीने बाद भी थमी हुई है और इस वायरस से अभी निजात मिलती नहीं दिख रही है। इस बीच सिलेब्रिटीज इंटरनेट पर ही अपने फैन्स से मिल रहे हैं और उन्हें इस घातक बीमारी से लड़ने का हौसला दे रहे हैं। युवराज सिंह हाल गुरुवार को फेमस स्पोर्ट्स ऐंकर गौरव कपूर के शो में शामिल हुए इस दौरान उन्होंने पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा पर मजे लिए। युवी ने कहा कि अगर नेहरा क्वारंटीन में बंद होते तो वह अब तक वहां से भाग चुके होते। नेहरा को एक जगह

पर रखना बहुत मुश्किल है। गौरव कपूर के इस शो में युवराज सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट से अपनी रिटायरमेंट के एक साल पूरा होने पर आए थे। शो के ऐंकर ने युवराज से पूछा कि रिटायरमेंट के इस एक साल में क्रिकेट से दूर होना कितना मुश्किल होता है और उन्होंने इस बीते समय में क्या–क्या किया।

युवराज ने बताया कि वह अपने फाउंडेशन यूवीकैन के साथ मिलकर कैंसर से लड़ रहे मरीजों की मदद करने का काम कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने बीते एक साल में दुनिया के कई अलग–अलग देशों में जाकर क्रिकेट का लुत्फ भी खूब उठाया।

इस दौरान गौरव कपूर को आशीष नेहरा की याद आई और उन्होंने युवराज से पूछ लिया कि अगर नेहरा को क्वारंटीन सेंटर में रखा जाए तो कहां होगा। यह सवाल सुनकर युवराज अपनी हंसी नहीं रोक पाए और उन्होंने कहा कि नेहरा को आप कहीं भी क्वारंटीन में नहीं रख सकते वह एक जगह टिककर बैठने वालों में से नहीं है। युवी ने कहा कि वह अगर कहीं होते तो अब तक भाग खड़े होते। इसके बाद युवराज ने कहा कि मैं उन्हें लकी मानता हूं कि वह इन दिनों गोवा में हैं।

एक बार क्रिकेट शुरू हो, हम स्लाइवा बैन से भी निपट लेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल ने कोरोनावायरस खतरे के कारण गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज उमेश यादव का मानना है कि क्रिकेट शुरू होने के बाद इसका हल निकाल लिया जाएगा। उमेश मैदान पर ट्रेनिंग शुरू होने के बाद इसका समाधान निकालने को लेकर आश्वस्त हैं। विदर्भ के इस तेज गेंदबाज ने एक इंटरव्यू में कहा, हां, लार के बिना अचानक फिर से खेल शुरू करना मुश्किल होगा। हमने अब तक अभ्यास शुरू नहीं किया है। एक बार जब मैं मैदान पर उतर जाऊं और लार के इस्तेमाल के बिना खेलने का अभ्यास शुरू कर दूं तो फिर मुझे पता चलेगा कि इसका क्या असर है। पुरानी गेंद के साथ यह अब भी ठीक है, लेकिन नई गेंद के साथ...मुझे नहीं पता कि लार को हटाने के बाद यह कितना चमकेगी। 259 इंटरनैशनल विकेट लेने वाले इस तेज गेंदबाज ने कहा, चूंकि सफेद गेंद कम स्विंग होती है, इसलिए टी20 प्रारूप के लिए यह ठीक है। लेकिन मुख्य समस्या उस समय होगी जब हम टेस्ट मैच खेलेंगे।